CMYK

Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

□ वर्ष- 29 □ अंक- 123 □ रायपुर, बुधवार 27 मई 2026 □ पृष्ठ-8 □ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

ब्रेकिंग न्यूज

शराब पीने से रोके जाने पर पिता की डंडे से पीट-पीट कर हत्या, आरोपी गिरफ्तार

तिल्दा नेवरा, 27 मई (हाईवे चैनल)। रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक सनसनीखेज वारदात तिल्दा-नेवरा से सामने

आई हैज्जहां एक बेटे ने अपने ही पिता की लाठी से पीट-पीटकर हत्या कर दी।इतना ही नहींज जब पत्नी अपने ससुर को बचाने पहुंची तो आरोपी ने उस पर भी हमला कर दिया, जिससे उसका हाथ फ्रैक्चर हो गया।हत्या के बाद आरोपी बेटे ने पूरे मामले को सामान्य मौत बताकर अंतिम संस्कार करने की तैयारी भी कर ली थीज लेकिन पड़ोसियों की सतर्कता से उसका प्लान फेल हो गया।फिलहाल पुलिस ने आरोपी बेटे को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है। पूरा मामला तिल्दा-नेवरा के वार्ड क्रमांक 4 का है। जानकारी के मुताबिक मृतक संतु कोठारी रात में अपने घर में सोया हुआ था। इसी दौरान किसी बात को लेकर उसका बेटे राजू के साथ विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि बेटे ने लाठी उठाकर अपने ही पिता पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। बेरहमी से की गई पिटाई में संतु सतनामी की मौके पर ही मौत हो गई। इस दौरान जब आरोपी की पत्नी अपने ससुर को बचाने सामने आई तो आरोपी ने उस पर भी लाठियां बरसा दीं, जिससे उसका हाथ फ्रैक्चर हो गया। घटना के बाद आरोपी बेटे ने हत्या को छुपाने की कोशिश की और पिता की मौत को सामान्य बताकर अंतिम संस्कार की तैयारी करने लगा। लेकिन रात में हुई इस वारदात की भनक आसपास के लोगों को लग गई और उन्होंने पुलिस को सूचना दे दी।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी बेटे को हिरासत में ले लिया। वहीं शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

टीएस सिंहदेव और दीपक बैज का अनशन खत्म

तीन मांगों पर प्रशासन से मिली सहमति

भूपेश बघेल ने कहा था- पुलिस अधिकारियों का नाम याद रखेंगे

सूरजपुर, 27 मई (हाईवे चैनल)। शिवनंदनपुर नगर पंचायत चुनाव के बीच सूरजपुर जिला कांग्रेस महामंत्री के खिलाफ आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज करने के विरोध में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज और पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव का अनशन खत्म हो गया है। प्रशासन ने कांग्रेस नेताओं की मांगों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और फिर चर्चा के बाद नारियल पानी पीकर अनशन खत्म किया। शिवनंदनपुर नगर पंचायत चुनाव के बीच जिले के महामंत्री नागेंद्र जैन के खिलाफ आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज करने के विरोध में टीएस सिंहदेव और दीपक बैज मंगलवार शाम से आमरण अनशन पर बैठे थे। प्रशासन की मान मनौव्वल की कोशिशें चलती रहीं। स्थानीय जिला और पुलिस प्रशासन ने कांग्रेस नेताओं की तीन सूत्रीय मांगों पर सहमति जताई, जिसके बाद अनशन खत्म हुआ।

कांग्रेस नेताओं ने कॉउंटर रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की थी। पुलिस ने भाजपाइयों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर लिया है। महामंत्री नागेन्द्र जैन के खिलाफ आर्म्स एक्ट के मामले की विवेचना डीएसपी स्तर के अधिकारी करेंगे। इसके अलावा विश्रामपुर थाना प्रभारी को छुट्टी पर भेज दिया गया है। तीन मांगें पूरी होने के बाद सिंहदेव और बैज ने अनशन खत्म किए। आंदोलन समाप्त करते हुए दीपक बैज ने कहा कि अंततः न्याय की जीत हुई। पुलिस एवं प्रशासन ने कांग्रेस की सभी मांगें मान ली है। टीएस सिंहदेव की अनुमति से आंदोलन को स्थगित किया जा रहा है। शिवनंदनपुर नगर पंचायत की चुनावी रैली को संबोधित करते हुए भूपेश बघेल ने कहा था कि चुनाव को प्रभावित करने के लिए कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष के खिलाफ फर्जी मामला दर्ज किया गया है। इसके विरोध में टीएस सिंहदेव आमरण अनशन पर बैठे हैं, जबकि दीपक बैज भूख हड़ताल कर रहे हैं। भूपेश बघेल ने पुलिस प्रशासन पर निशाना साधते हुए कहा था कि प्रदेश के कांग्रेसजन चूड़ी पहनकर नहीं बैठे हैं। थानेदार का नाम हमेशा याद रखा जाएगा। सरकार आती-जाती रहती है। किसी दिन हमारी भी सरकार आएगी। एसपी और आईजी भी समझ लें। जब मामला आपकी जानकारी में आ गया है तो सुधार कर लीजिए नहीं तो इसे याद रखा जाएगा।

मतदाता सूची पुनरीक्षण की वैधता पर सुप्रीम कोर्ट की मुहर

'एसआईआर कराना चुनाव आयोग का अधिकार'

नई दिल्ली, 27 मई (न्यूज चैनल)। सुप्रीम कोर्ट ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अहम फैसला सुनाते हुए कहा कि एसआईआर कराना चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र में आता है। सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि मुक्त और निष्पक्ष चुनाव के लिए एसआईआर जरूरी है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने इस साल की शुरुआत में 29 जनवरी को लंबी सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था और बुधवार को अपना फैसला सुनाया। पीठ ने अपने फैसले में कहा कि मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण कराना चुनाव आयोग का अधिकार है। एसआईआर प्रक्रिया सांविधानिक है। पीठ ने कहा, चुनाव आयोग ने शक्तियों का दुरुपयोग नहीं किया और न ही एसआईआर के दौरान नियमों के खिलाफ जाकर मतदाताओं के नाम काटे गए।

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा, चुनाव आयोग को संविधान के अनुच्छेद 324 , प्रतिनिधि कानून, 1950 के तहत एसआईआर कराने की शक्ति दी गई है। पीठ ने अपने फैसले में कहा कि ये नहीं कहा जा सकता कि चुनाव आयोग ने एसआईआर प्रक्रिया के जरिए अपनी वैधानिक शक्तियों के परे जाकर काम किया है। कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं की उस दलील को भी खारिज कर दिया, जिसमें दावा किया गया कि एसआईआर लाल बाबू हुसैन मामले में दिए गए फैसले का उल्लंघन करती है। अदालत ने फैसले में कहा कि चुनाव आयोग के पास शक्ति है कि वे मतदाता सूची के उद्देश्य के लिए नागरिकता की भी जांच कर सकता है। हालांकि चुनाव आयोग ये तय नहीं कर सकता कि कौन भारतीय नागरिक है या नहीं, लेकिन मतदाता सूची के संबंध में नागरिकता संबंधी सवालों की जांच करना चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र में है। अदालत ने कहा प्रतिनिधि कानून की धारा 16 के तहत चुनाव आयोग के पास इसका वैधानिक अधिकार है। अदालत ने ये भी साफ किया कि अगर आयोग को लगता है कि कोई व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल होने की वैधानिक शर्तें पूरी नहीं करता है तो आयोग उस व्यक्ति को सक्षम प्राधिकारी के पास भेज सकता है। मतदाता सूची से कोई भी नाम हटाना सक्षम प्राधिकारी द्वारा किए गए फैसले पर निर्भर होगा।

चुनाव आयोग मानता है एसआईआर को जरूरी: एसआईआर के खिलाफ अधिकांश याचिकाएं पिछले साल जून में दाखिल की गई थीं, जब चुनाव आयोग ने बिहार में एसआईआर अभियान शुरू करने का फैसला लिया था। इसके बाद यह प्रक्रिया पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु समेत कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों तक बढ़ा दी गई। सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी कि मतदाता सूची को शुद्ध और त्रुटिरहित बनाए रखने तथा फर्जी या अयोग्य मतदाताओं को हटाने के लिए यह अभियान जरूरी है।

गरीब और प्रवासियों के मताधिकार पर खतरे का था दावा

याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी कि यह शर्त गरीब, प्रवासी और हाशिए पर रहने वाले लोगों को मतदान अधिकार से वंचित कर सकती है, क्योंकि उनके पास पुराने रिकॉर्ड से जुड़ा दस्तावेजी प्रमाण मिलना मुश्किल है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में प्रभावित मतदाताओं को राहत देने और प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए अंतरिम निर्देश भी जारी किए थे। शुरुआत में चुनाव आयोग ने सत्यापन के लिए 11 दस्तावेज तय किए थे, लेकिन बाद में सुप्रीम कोर्ट ने आधार कार्ड को भी एसआईआर प्रक्रिया में शामिल करने का निर्देश दिया था।

बिरादरी की बातें

चूहा- सुनती हो, विधायक पुरंदर मिश्रा को नितीन नबीन का पीए बताकर पैसा ऐंठ लिए।

चुहिया- हां जी, क्या फर्क पड़ता है, चोर पकड़ा जाएगा और पैसा भी मिल जाएगा।

सर्राफा व्यापारी की गोली मारकर हत्या, 60 लाख की लूट के बाद पूरा इलाका बंद

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, 27 मई (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के पेंड्रा इलाके में मंगलवार की शाम एक दिल दहला देने वाली वारदात हुई। कोटमी साप्ताहिक बाजार में बाइक सवार नकाबपोश बदमाशों ने एक सर्राफा व्यापारी की सरेआम गोली मारकर हत्या कर दी। बदमाश व्यापारी से सोने-चांदी के गहनों से भरा बैग लूटकर फरार हो गए। इस बैग में करीब 60 लाख रुपये के जेवरात होने का अनुमान है। वारदात के बाद से पूरे इलाके में भारी तनाव है और आज पेंड्रा पूरी तरह से बंद है। मिली जानकारी के

मुताबिक, सराफा कारोबारी प्रदीप सोनी मंगलवार को कोटमी बाजार में अपनी दुकान लगाए थे। शाम करीब 7 बजे जब वे दुकान बंद कर रहे थे, तभी एक पल्सर बाइक पर तीन नकाबपोश बदमाश वहां पहुंचे। बदमाशों ने प्रदीप से गहनों वाला बैग छीनने की कोशिश की। जब प्रदीप ने इसका विरोध किया, तो बदमाशों ने उनके सीने पर बेहद करीब से गोली मार दी। गोली लगते ही प्रदीप वहीं गिर पड़े और बाजार में अफरा-तफरी मच गई।

घटना के बाद गंभीर रूप से घायल प्रदीप सोनी को तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही स्थानीय लोगों और परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित व्यापारियों और परिजनों ने अस्पताल में पुलिस से शव छीन लिया और रात 12 बजे तक सड़क पर चक्काजाम कर दिया। नाराज सर्राफा व्यापारी संगठन ने आज पेंड्रा बंद का ऐलान किया है, जिसे दूसरे संगठनों का भी समर्थन मिला है। सुबह तक शव का पोस्टमॉर्टम भी नहीं हो सका था। पेंड्रा थाना पुलिस ने घटनास्थल को सील कर दिया है। मौके से खाली कारतूस और खून के धब्बे मिले हैं। पुलिस की टीमें सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही हैं। आरोपियों को पकड़ने के लिए बिलासपुर, कोरबा, मनेन्द्रगढ़, अनूपपुर, डिंडोरी और कोरिया समेत 6 पड़ोसी जिलों में भारी नाकेबंदी की गई है।

होटल में खूनी वारदात! ब्लेड से गला रेतकर महिला की हत्या, पति और बेटे घायल

गरियाबंद, 27 मई (हाईवे चैनल)। गरियाबंद जिले के एक होटल में आरोपी ने महिला समेत परिवार के चार सदस्यों पर धारदार ब्लेड से हमला कर दिया. सनसनीखेज वारदात में महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मौके पर मौजूद दोनों बेटे और पति गंभीर रूप से घायल हो गए. मृतक की पहचान 45 वर्षीय छबनीता यादव के रूप में हुई है. पूरा मामला देवभोग थाना क्षेत्र के दीवानमुड़ा गांव का है।

जानकारी के मुताबिक, खूनी वारदात सोमवार सुबह की है. आरोपी देवी सिंह ने होटल पहुंचकर महिला की गर्दन पकड़ कर ब्लेड चला दिया. वहां मौजूद पति और दोनों बेटे कुछ समझ पाते उससे पहले वारदात को अंजाम दे चुका था. बचाव के लिए आए बेटे के गर्दन और पति के पेट पर भी ब्लेड से हमला किया और मौके से फरार हो गया. घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलने पर स्थानीय लोगों ने लहूलुहान

हालत में पति बेटे ने पत्नी को देवभोग अस्पताल लेकर आए, प्राथमिक उपचार शुरू हुआ. डॉक्टर प्रकाश साहू ने महिला को मृत घोषित कर दिया. सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची. आरोपी को हिरासत में लिया गया। थाना प्रभारी फैजुल शाह ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लिया गया है, जिससे पूछताछ जारी है. वारदात के कारणों का पता लगाया जा रहा है. पंचनामा और अन्य आवश्यक कार्रवाई के बाद अपराध पंजीबद्ध किया जाएगा. शव को मैच्युरी पहुंचा दिया गया है। घटना के बाद गांव में मातम और डर का माहौल है. स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने पहले कभी इतनी खौफनाक घटना नहीं देखी।

डीएफओ के दावों की खुली पोल

धरमजयगढ़ में फिर हाथी शावक की मौत वन विभाग की लापरवाही से गई जान

धरमजयगढ़, 27 मई (हाईवे चैनल)। छाल रेंज के चंद्रशेखरपुर बीट में एक और हाथी शावक की मौत ने वन विभाग की पोल खोल दी है। जंगल में शावक की मौत के बाद हाथियों का पूरा झुंड घंटों वहां डटा रहा और वन विभाग की टीम मूकदर्शक बनी देखती रही। करोड़ों के बजट के बाद भी विभाग के पास आपात स्थिति से निपटने का कोई प्लान नजर नहीं आ रहा है।

सूचना मिलते ही वन अमला मौके पर पहुंचा तो जरूर, लेकिन मृत शावक के पास खड़े गजराजों के झुंड के आगे बेबस नजर आया। कई घंटों तक विभाग शव को कब्जे में नहीं ले सका और न ही झुंड को वहां से हटा पाया। सवाल उठ रहा है कि हाथी-मानव संघर्ष रोकने के बड़े-बड़े दावों वाले धरमजयगढ़ वन मंडल के पास इमरजेंसी हैंडल करने की तैयारी क्यों नहीं है? स्थानीय लोगों का आरोप है कि डीएफओ समेत पूरा अमला सिर्फ कागजी रिपोर्ट और बंद कमरों की बैठकों तक सीमित है। जंगल में लगातार हाथियों की मौत हो रही है, शावक दम तोड़ रहे हैं, लेकिन विभाग पहले से कोई ठोस रणनीति नहीं बना पाया। वन्यजीव संरक्षण के नाम पर करोड़ों खर्च होने के बाद भी एक शावक को नहीं बचाया जा सका। गौरतलब है कि धर्मजयगढ़ इलाके में अब तक हाथी के कई शावकों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा करंट से बड़ी संख्या में हाथियों की जान जा चुकी है।

जांच की मांग, कौन है जिम्मेदार शावक की मौत के बाद इलाके में आक्रोश है। लोग पूछ रहे हैं कि लगातार शावकों की मौत का जिम्मेदार आखिर कौन है? पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और जिम्मेदारी तय करने की मांग तेज हो गई है। वन विभाग के दावों और जमीनी हकीकत में बड़ा फर्क साफ दिख रहा है।

सुशासन तिहार शिविर में गिरा पीपल का पेड़, 7 घायल

गरियाबंद, 27 मई (हाईवे चैनल)। गरियाबंद जिले के खरहरी में आयोजित सुशासन तिहार शिविर के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया। कार्यक्रम स्थल के पास मौजूद एक विशालकाय पीपल का पेड़ अचानक गिर पड़ा, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के मुताबिक, कार्यक्रम देखने के लिए कुछ लोग पेड़ पर चढ़े हुए थे। अचानक पेड़ गिरने से उस पर बैठे और आसपास मौजूद 7 लोग घायल हो गए, जिनमें 2 बच्चे भी शामिल हैं। हादसे में कई

लोगों को हाथ-पैर में चोट और फ्रैक्चर आए हैं। घटना के समय जिला कलेक्टर समेत सभी वरिष्ठ अधिकारी कार्यक्रम स्थल पर मौजूद थे। हादसे के तुरंत बाद कलेक्टर ने संवेदनशीलता दिखाते हुए सुशासन तिहार शिविर कार्यक्रम को तत्काल स्थगित करने के निर्देश दिए। प्रशासन और स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों का रेस्क्यू कर उन्हें गरियाबंद जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों की टीम इलाज में जुटी हुई है। जिला अस्पताल के चिकित्सक डॉ. हरीश चौहान ने बताया कि कुछ घायलों के हाथ और पैर में मामूली फ्रैक्चर है तथा सभी का उपचार जारी है। हादसे में पेड़ की चपेट में आकर वहां खड़ा एक छोटा हाथी वाहन भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

गर्मी से बचने यात्रियों के लिए नहीं है उचित व्यवस्था, बसों के इंतजार में भीषण गर्मी से हो रहे बेहाल

नये बस स्टैण्ड, सिहावा रोड, रतनाबांधा रोड सहित कहीं नहीं मिल रही यात्रियों को राहत, दुकानों के शेड के नीचे करते है बसों का इंतजार, कई बार सुनने पड़ते है ताने

धमतरी 27 मई (हाईवे चैनल)। यात्रियों की परेशानी गर्मी के मौसम में और बढ़ जाती है सामान्य दिनों में तो खुले आसमान के नीचे यात्री बसों का इंतजार कर लेते है लेकिन जब गर्मी रिकार्ड तोड़ने लगे तो खुले आसमान के नीचे बसों का काफी देर तक इंतजार असहनीय व पीड़ादायक हो जाता है, ऐसे ही हालात इन दिनों शहर के सभी बस स्टापेज वाले स्थलो में बने हुए है।

ज्ञात हो कि नया बस स्टैण्ड में रोजाना लगभग 250 से 300 बसों का आवागमन होते है। यहां से रायपुर, जगदलपुर व सम्पूर्ण बस्तर के लिए बसे, दुर्ग-भिलाई, बालोद, राजनांदगांव, अंतागढ़, नगरी, सिहावा, भखारा आदि रुटो व स्थानों के लिए बसों का संचालन होता है। यहां रोजाना हजारों यात्रियों का आवागमन होता है। इस दौरान कई बार यात्रियों को बसों का इंतजार काफी देर तक करना पड़ता है। और वर्तमान में पड़ रही भीषण गर्मी से यात्री बेहाल हो रहे है। यात्रियों को

छांव के लिए आसपास के दुकानों के शेड के नीचे रुकना पड़ता है। इससे कई बार कुछ दुकानदारों से फटकार व ताने भी सुनने पड़ते है। सबसे ज्यादा परेशानी छोटे बच्चों व बुजुर्गो को होती है। इसी प्रकार रत्नाबांधा रोड, सिहावा रोड, बस्तर रोड में कुछ जगह बसे रुकती है यहां भी छांव तक की व्यवस्था नहीं है। इससे यात्रियों का परेशानी बढ़ जाती है।

यात्री प्रतिक्षालय में भीषण गर्मी

नया बस स्टैण्ड में यात्री प्रतिक्षालय है लेकिन यह भगवान भरोसे है। यहां शेड लगा हुआ है। दोपहर में शेड काफी गरम होकर आग उगलने लगता है। प्रतिक्षालय में पंखे लगे है, लेकिन यह गर्मी से राहत तो देते नहीं उल्टे गर्म हवाओं के थपेड़ो से यात्री परेशान हो जाते है। यहां ठंडे पानी के लिए पहले फ्रीजर लगा था. सालों से यह सुविधा भी यात्रियों को नहीं मिल रही है। यहां स्वच्छता का बुरा हाल रहता है। इसलिए कई बार यात्री चाहकर भी प्रतिक्षालय में प्रवेश नहीं कर पाते है। और यदि मन मारकर प्रतिक्षालय में रुक जाये तो उन्हें बसों में सीट मिलने में देरी होने का डर रहता है। इसलिए भी कई यात्री प्रतिक्षालय में नहीं ठहर पाते।

शुरु से बंद है ब्रेस्ट फीडिंग रुम

नया बस स्टैण्ड यात्री प्रतिक्षालय में निगम द्वारा महिला यात्रियों को होने वाली परेशानी को ध्यान में रखते हुए ब्रेस्ट फीडिंग रुम बनवाया गया है, लेकिन जब से रुम का निर्माण हुआ है तब से आज तक इसका किसी महिला ने इस्तेमाल नहीं किया है क्योंकि यहां शुरु से ही ताला लटका हुआ था। बाद में ताला हटाया गया तो लोहे की तारों से रुम का दरवाजा लॉक कर दिया गया। अब तक यह रुम बच्चों को दुग्धपान कराने के उद्देश्य को पूरा नहीं कर पाई है। और गंदगी से लबरेज हो चुकी है।

नहीं मिलता शीतल पानी

बस स्टैण्ड में पहले धमतरी नीर वाटर एटीएम था जहां से शुद्ध शीतल पेयजल मिल जाता था साथ ही यात्री प्रतिक्षालय के फ्रीजर से शीतल पानी मिलता था लेकिन अब सालों से यात्रियों को शीतल जल नहीं मिल पा रहा है। चूंकि वर्तमान में पड़ रही भीषण गर्मी के कारण लोगों को मंहगे दाम में खरीदकर ठंडा पानी पीना पड़ रहा है। बस स्टैण्ड में एक वाटर फ्रीजर की अत्यंत आवश्यकता महसूस की जा रही है।